भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतांराकित प्रश्न संख्या 132

22.07.2024 को उत्तर के लिए

देश के वन क्षेत्र

132. श्री एंटो एन्टोनी :

श्री सप्तगिरी शंकर उलाका :

डॉ. अमर सिंह :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2019 से देश में वन क्षेत्र का वर्ष और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वृक्षों कि कटाई होने से कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन बढ़ जाता है, यदि हां, तो वर्ष 2019 से देश में वृक्षों छिद्रित होने के कारण होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन का ब्यौरा क्या है;

(ग) भारत वन स्थिति प्रतिवेदन, 2021 और ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच डाटा के बीच विरोधाभासों का औचित्य क्या है; और

(घ) क्या सरकार की वन (सरंक्षण) अधिनियम, 1980 मे पुन: संशोधन करने कि योजना है क्योंकि मानित और सामुदायिक वनों से सुरक्षा हटाने के लिए हाल ही में किए गए संशोधन की कड़ी आलोचना हुई है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) मंत्रालय का एक अधीनस्थ संगठन - भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई), देहरादून प्रत्येक दो वर्ष में वनावरण का आकलन करता है। वर्ष 2021 में प्रकाशित नवीनतम भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वनावरण 7,13,789 वर्ग किलोमीटर है जो देश के भौगोलिक क्षेत्रफल का 21.71 प्रतिशत है। वर्ष 2019 के बाद से आईएसएफआर के अनुसार वनावरण का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ख) वर्ष 2019 से वर्ष 2021 के दौरान वृक्ष आवरण में 721 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 और वर्ष 2021 के दौरान वृक्ष आवरण में कोई कमी नहीं आई है। इसलिए, वृक्ष आवरण में कमी के कारण कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में वृद्धि का प्रश्न ही नहीं उठता है।

(ग) भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2021 और ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच डेटा के बीच विरोधाभास इन दोनों रिपोर्टों में अपनाई गई वन आवरण और वृक्ष आवरण की परिभाषा में अंतर के कारण हो सकता है।

(घ) वर्तमान में वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 में संशोधन की कोई योजना नहीं है।

*****

अनुबंध

'देश में वनावरण' के संबंध में दिनांक 22.07.2024 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 132 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

आईएसएफआर 2019 से आईएसएफआर 2021 तक वनावरण में परिवर्तन का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा

(क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर में)

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**आईएसएफआर 2019**	**आईएसएफआर 2021**
1	आंध्र प्रदेश	29,137	29,784
2	अरुणाचल प्रदेश	66,688	66,431
3	असम	28,327	28,312
4	बिहार	7,306	7,381
5	छत्तीसगढ	55,611	55,717
6	दिल्ली	195	195
7	गोवा	2,237	2,244
8	गुजरात	14,857	14,926
9	हरियाणा	1,602	1,603
10	हिमाचल प्रदेश	15,434	15,443
11	जम्मू एवं कश्मीर	23,612*	21,387
12	झारखंड	23,611	23,721
13	कर्नाटक	38,575	38,730
14	केरल	21,144	21,253
15	मध्य प्रदेश	77,482	77,493
16	महाराष्ट्र	50,778	50,798
17	मणिपुर	16,847	16,598
18	मेघालय	17,119	17,046
19	मिजोरम	18,006	17,820
20	नगालैंड	12,486	12,251
21	ओडिशा	51,619	52,156
22	पंजाब	1,849	1,847
23	राजस्थान	16,630	16,655
24	सिक्किम	3,342	3,341
25	तमिलनाडु	26,364	26,419
26	तेलंगाना	20,582	21,214
27	त्रिपुरा	7,726	7,722
28	उत्तर प्रदेश	14,806	14,818
29	उत्तराखंड	24,303	24,305
30	पश्चिम बंगाल	16,902	16,832
31	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	6,743	6,744
32	चंडीगढ़	22	23
33	दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव	227	228
34	लद्दाख	*	2,272
35	लक्षद्वीप	27	27
36	पुदुचेरी	52	53
	कुल योग	**7,12,249**	**7,13,789**

**आईएसएफआर 2019 की रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के वन क्षेत्र की संयुक्त रिपोर्ट दी गई है।*